NEWS CLIPPING: 17.04.2019

PUNJAB KESARI

शोध को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान पुरस्कारों की शुरुआत

फरीदाबाद, 16 अप्रैल (ब्यूरो): शोध कार्यों को बढ़ावा देने तथा गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के शोध कार्य को मान्यता देने के लिए 'अनुसंधान पुरस्कार' की शुरूआत की है।

यह पुरस्कार, जिसके अंतर्गत मैरिट प्रमाण पत्र तथा 50 हजार रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार का प्रावधान किया गया है, विश्वविद्यालय द्वारा सूचीबद्ध विज्ञान प्रशस्तिपत्र सूचकांक (एससीआई) या विज्ञान प्रशस्तिपत्र सूचकांक विस्तारित (एससीआईई) शोध पत्रिकाओं में शोध पत्रों के प्रकाशन के लिए प्रदान किया जायेगा। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक समारोह में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पहले अनुसंधान पुरस्कारों का वितरण किया गया।

डॉ. रश्मि चावला को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

इस कार्यक्रम में वर्ष 2018-19 के लिए प्रशंसनीय अनुसंधान पुरस्कार के तहत शिक्षकों व विद्यार्थियों को उनके द्वारा प्रकाशित पांच शोध पत्रों के लिए पुरस्कृत किया गया, जिसमें प्रत्येक शोध पत्र के लिए 50,000 रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान की गई। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में शोध संस्कृति विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 17 April 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/38618426

NEWS CLIPPING: 17.04.2019

HINDUSTAN

शोध करने वाले छात्र पुरस्कृत होंगे

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

प्रोत्साहन

- वाईएमसीए ने 'अनुसंधान पुरस्कार' की शुरुआत की
- 50 हजार से 5 लाख रुपये तक दिए जाएंगे प्रोत्साहन के तौर पर

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान पुरस्कार की शुरुआत की है। शोध को बढ़ावा देने और शोध कार्यों की गुणवत्ता सुधारने के लिए ये फैसला लिया गया है। इसके तहत अनुसंधान करने वाले छात्रों और शिक्षकों को एक मेरिट प्रमाणपत्र और 50 हजार से पांच लाख रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित हुए एक समारोह में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पहले अनुसंधान पुरस्कारों का वितरण किया। इसमें वर्ष 2018-19 के लिए प्रशंसनीय अनुसंधान पुरस्कार के तहत पांच शोध पत्रों के लिए 50 हजार रुपये की धनराशि दी गई। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान संवर्धन बोर्ड का गठन किया है। ये पुरस्कार शिक्षकों और छात्रों को शोध के लिए प्रेरित करेगा।

तीन श्रेणियों में मिलेगा पुरस्कारः विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिया जाएगा। प्रशंसनीय अनुसंधान पुरस्कार के तौर पर 50 हजार रुपये, प्रीमियर अनुसंधान पुरस्कार के तौर पर एक लाख रुपये और उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार के तौर पर पांच लाख रुपये की राशि दी जाएगी। वहीं विज्ञान प्रशस्ति पत्र सूचकांक (एससीआई) या विज्ञान प्रशस्ति पत्र सूचकांक विस्तारित (एससीआईई) शोध पत्रिकाओं में शोध पत्रों के प्रकाशन के लिए दिया जाएगा।

ये है पुरस्कार के लिए योग्यताः कोई नियमित विश्वविद्यालय शिक्षक या छात्र जोकि विश्वविद्यालय के किसी पाठ्यक्रम में पंजीकृत है अपने शोध पत्रों के साथ पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकता है।

इसके लिए संबंधित शोध पत्र विश्वविद्यालय की ओर से सूचीबद्ध विज्ञान प्रशस्तिपत्र सूचकांक (एससीआई) या विज्ञान प्रशस्ति पत्र सूचकांक विस्तारित (एससीआईई) शोध पत्रिका में प्रकाशित होना चाहिए।

NEWS CLIPPING: 17.04.2019

DAINIK JAGRAN

पांच शिक्षकों एवं छात्रों को सम्मानित किया

जासं, फरीदाबाद: जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में मंगलवार को अनुसंधान पुरस्कार कार्यक्रम हुआ। इसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को शोध कार्यों को बढ़ावा देने व गुणवत्ता में सुधार के लिए पुरस्कार दिया गया है। समारोह में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पहले पांच शोध पत्रों को पुरस्कृत किया और उन्हें 50 हजार की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय में शोध संस्कृति विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। डीन (अनुसंधान व विकास) डॉ. अतुल मिश्रा ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विवि द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी दी। डॉ. सीके नागपाल, डॉ. शैलेंद्र गुप्ता, संगीता ढल तथा गौरव (बीटेक विद्यार्थी) को संयुक्त शोध पत्र के लिए पुरस्कृत किया गया। डॉ. रश्मि चावला, डॉ. सोनिया बंसल व सह-लेखक विनोद चेको, डॉ. मनीषा गर्ग व सह-लेखक भूपेन्द्र सिंह, तथा ललित गोयल को उनसे संबंधित क्षेत्रों में शोध पत्रों के प्रकाशन के लिए सम्मानित किया। इसमें 57 अन्य शिक्षकों व शोधार्थियों को शोध लेखन में उत्कृष्ट कार्य के लिए मेरिट प्रमाण पत्र दिए गए।

NEWS CLIPPING: 17.04.2019

DAINIK BHASKAR

शोध पत्रों के प्रकाशन पर मिलेगी 50 हजार से पांच लाख की प्रोत्साहन राशि

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में शोध को बढ़ावा देने को अनुसंधान पुरस्कारों की शुरूआत

17/04/19 D.B

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी ने शिक्षकों व स्टूडेंट्स के शोध कार्य को मान्यता देने के लिए अनुसंधान पुरस्कार की शुरूआत की है। इसके तहत मैरिट प्रमाण पत्र तथा 50 हजार से लेकर पांच लाख रुपए तक का कैश पुरस्कार का प्रावधान है। इसमें 50,000 रुपए की राशि का प्रशंसनीय अनुसंधान पुरस्कार, एक लाख रुपए की राशि का प्रीमियर अनुसंधान पुरस्कार तथा पांच लाख रुपए की राशि का उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार शामिल है।

पुरस्कारों को एससीआई या एससीआईई शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों के लिए शोध पत्रिका के प्रकार तथा उसके प्रभाव कारक के आधार पर दिया जाएगा। पुरस्कार के लिए शोध पत्रिका का इंपेक्ट फैक्टर एक या इससे अधिक होना अनिवार्य है। पुरस्कार मानदंड के अनुसार कोई भी नियमित यहां का शिक्षक या स्टूडेंट जो विश्वविद्यालय के किसी पाठ्यक्रम में पंजीकृत हो, प्रतिवर्ष प्रकाशित होने वाले अपने शोध पत्रों के साथ पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकता है। बशर्ते उसका शोध पत्र विश्वविद्यालय की ओर से सूचीबद्ध शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ हो।

फरीदाबाद. डॉ. सोनिया बंसल को कैश पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

पहले अनुसंधान पुरस्कार इन्हें मिले

मंगलवार को एक समारोह में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पहले अनुसंधान पुरस्कारों का वितरण किया। इस कार्यक्रम में वर्ष 2018-19 के लिए प्रशंसनीय अनुसंधान पुरस्कार के तहत शिक्षकों व विद्यार्थियों को उनके द्वारा प्रकाशित पांच शोधपत्रों के लिए पुरस्कृत किया गया। इसमें प्रत्येक शोध पत्र के लिए 50,000 रुपए का कैश पुरस्कार प्रदान किया गया। जिन संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया, उनमें डा. सीके नागपाल, डा. शैलेंद्र गुप्ता, संगीता ढल्ल तथा गौरव (बीटेक स्टूडेंट) को संयुक्त शोध पत्र के लिए मैरिट प्रमाण पत्र तथा 50,000 रुपए का पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार डा. रश्मि चावला, डा. सोनिया बंसल व सह-लेखक विनोद चेको, डा. मनीषा गर्ग व सह-लेखक भूपेन्द्र सिंह तथा ललित गोयल को उनसे संबंधित क्षेत्रों में शोध पत्रों के प्रकाशन के लिए मैरिट प्रमाण पत्र तथा 50-50 हजार रुपए की कैश पुरस्कार राशि दी गई।

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में संचार कौशल पर सप्ताहभर का कोर्स शुरू

फरीदाबाद| जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी में मानविकी विभाग की ओर से अंग्रेजी भाषा में संचार कौशल विषय पर एक सप्ताह का शार्ट टर्म कोर्स मंगलवार से शुरू हुआ। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि संचार कौशल व्यक्तित्व विकास का एक महत्व हिस्सा है। जो कैरियर के हर क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाता है। उद्घाटन सत्र में डीन इंस्टीट्यूशंस डा. संदीप ग्रोवर भी मौजूद थे। सत्र की अध्यक्षता मानविकी विभाग के डीन डा. राज कुमार ने की। इस मौके पर विभाग की अध्यक्ष डा. पूनम सिंघल ने कोर्स की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विभाग आने वाले समय में जर्मन व फ्रेंच भाषा के पाठ्यक्रम भी कराएगा। कोर्स का संचालन डा. दिव्य ज्योति कर रही हैं।